LEARNING PATHS SCHOOL

STUDENT EXPRESS

हिन्दी दिवस

ISSUE #13
SEPTEMBER 2022

हिंदी भाषा केवल हमारे संविधान के पन्नों पर ही नहीं बल्कि हर भारतीय नागरिक के दिलों-दिमाग में बसती है। भारतीयों का इस सुगम भाषा के साथ जुड़ाव अटूट है। हिंदी का हमारे जीवन में महत्त्व दर्शाने और इसके प्रति सम्मान की भावना को अभिव्यक्त करने के लिए 'लर्निंग पाथस स्कूल' ने एक सप्ताह का 'हिंदी दिवस कार्यक्रम' आयोजित किया। जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बहुत जोश और उत्साह से भाग लिया। विद्यालय में 30 अगस्त से 8 सितंबर तक विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ करवाईं गईं। इस कार्यक्रम का श्री गणेश हमने 'लेखन कौशल' गतिविधि से किया। इसमें विद्यार्थियों ने अपने रचनात्मक विचारों को लेखन द्वारा अभिव्यक्त किया। दूसरे दिन 'शब्दावली निर्माण गतिविधि' का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्रों को विभिन्न विषयों के शब्दों को उनके संबंधित हिंदी रूपों में रुपांतरित करने के लिए प्रेरित किया गया। इससे छात्रों के शब्दकोश में वृद्धि हुई। तीसरे दिन अपनी प्यारी हिंदी का जश्न मनाते हुए, छात्रों ने हिंदी भाषा के प्रति अपने भावों और विचारों को 'नारों और सूक्तियों' के रूप में अभिव्यक्त किया। छात्रों में कल्पनाशक्ति व सृजनात्मकता का विकास करने हेतु, हिंदी की 'व्याकरण पुस्तक' के लिए चौथे दिन आकर्षक 'आवरण पृष्ठ' गतिविधि का आयोजन किया गया। इसके पश्चात 'हिंदी भाषा के इतिहास एवं विकास' हेतु जानकारी के लिए छात्रों को एक लघु फ़िल्म दिखाई गई। इस उत्सव का अंत 'हिंदी दिवस' और 'भाषा' पर आधारित 'विशेष सभा' द्वारा किया जिसने इस समारोह में चार चाँद लगा दिए। विद्यालय के सभी छात्रों एवं शिक्षकों के प्रयासों और परिश्रम ने इस कार्यक्रम को सफ़ल बनाया।

आशा है कि इसी प्रकार हिंदी विकास करती रहे और पूरे विश्व में हिंदी को सम्मान मिलता रहे।

जय हिंद! जय हिंदी! जय भारत!

हिन्दी विभाग

Celebrating our past
Inspiring our future

LEARNING PATHS SCHOOL

STUDENT EXPRESS

हिन्दी दिवस

ISSUE #13
SEPTEMBER 2022

स्वरचित रचनाएँ

सपने में की यात्रा

आसमान में चाँद निकल आया,
नींद में एक सुंदर सपना आया।
सपनों की दुनिया में,
आसमान था सजा हीरे-मोतियों से।
अचानक एक बादल उड़ता-उड़ता मेरे पास आया,
आकाश से सीधा मेरी खिड़की पर आया।
उस पर बैठ उड़ गई मैं,
सपने में चाँद की यात्रा पर।
देखना था मुझे चाँद,
तो पहुँचे हम चाँद के पास।
चाँद से सब दिख रहा था सुंदर,
पर न जाने क्या है चाँद के अंदर।
घर जाने का मन न था,
पर स्कूल भी तो जाना था।
तो फिर सपना टूटा,
और सपने में चाँद की यात्रा वहीं समाप्त।

प्रांजल (आठवीं-बी)

सोशल मीडिया (लेख)

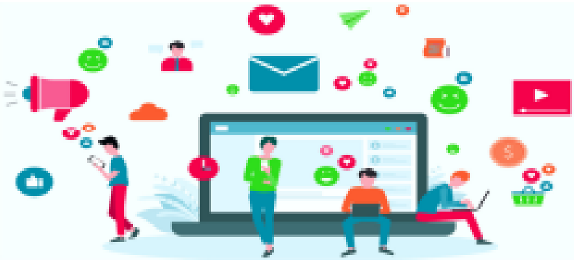

समय के साथ हमारी दुनिया बहुत गतिमय रूप से प्रगति कर रही है।इसी प्रगति में बहुत से ज़िंदगी बदलने वाले आविष्कार भी हुए हैं।इन्हीं आविष्कारों में से एक है-सोशल मीडिया सोशल मीडिया आज हमारे जीवन में बड़ी भूमिका निभा रहा है।एक बटन दबाने पर ही हमें बहुत तरह की जानकारी मिल सकती है।सोशल मीडिया के बिना आज हमारे जीवन की कल्पना करना मुश्किल है।कुछ लोग ऐसा मानते हैं कि यह एक बहुत अच्छी सुविधा है जबकि कुछ लोगों का मत है कि यह एक अभिशाप है।सोशल मीडिया के अधिक प्रयोग से मानसिक विकास पर नकारात्मक असर पड़ता है।हमें ज़्यादा देर के लिए स्क्रीन को देखना पड़ता है जो हमारी आँखों के लिए हानिकारक है। जब हम सोशल मीडिया का प्रयोग करते हैं, तब हमें यह नहीं पता होता कि हम किसके साथ बातचीत कर रहे हैं।लोग हमारे साथ कई तरह के घपले भी कर सकते हैं।ऑनलाइन गेम खेलने की आदत भी आजकल बहुत से युवाओं में देखने को मिलती है।यह आदतें युवाओं के मस्तिष्क पर गहरा असर डाल रही हैं।सोशल मीडिया का प्रयोग करने से पहले हमें इसके सकारात्मक व नकारात्मक पहलुओं को जाँच लेना चाहिए।हमें इसका इस्तेमाल केवल ज़रुरत के समय व बहुत सावधानी से करना चाहिए।

अरनव उप्पल (आठवीं-ए)

LEARNING PATHS SCHOOL

STUDENT EXPRESS

हिन्दी दिवस

ISSUE #13
SEPTEMBER 2022

मेरी प्यारी हिंदी भाषा (स्वरचित कविता)

हिंदी हिंद का अभिमान है,

ये भाषा हमारी महान है।

हिंदी प्रेम है देश का,

स्थान नहीं है कहीं द्वेष का।

बिहारी, गुलज़ार, कबीर, तुलसीदास सबने इसे गले लगाया,

इस महान भाषा के प्रति अपना प्रेम जताया।

हिंदी हमारी पहचान है,

ये हमारे देश का सम्मान है।

हमारे पुरखों से ये विरासत अनमोल मिली है,

मन मोह लेने वाली सबकी, क्यारी में खिली है।

इसे मोतियों-सा संभालना है,

ये हमारी जननी जैसी, इसने सींचकर हमें पालना है।

गुरलक्षित (नवीं-बी)

ISSUE #13
SEPTEMBER 2022

मित्रता

पढ़ना - लिखना, खाना - पीना,
करते हैं हम साथ।
चाहे कुछ भी हो जाए
नहीं छोड़ेंगे हम एक - दूसरे का हाथ।
दोस्ती है ये पक्की, इसमें नहीं है कोई दाग।
रोएँगे साथ, हँसेंगे साथ
चाहे कुछ भी हो जाए
नहीं छोड़ेंगे हम एक - दूसरे का हाथ।
जो कुछ भी हो जाए, रहेंगे हम साथ
चाहे कुछ भी हो जाए
नहीं छोड़ेंगे हम एक - दूसरे का हाथ।
लड़ना - झगड़ना तो है ही हमारा काम, पर पहले करना है ये वादा
हर मुश्किल का हल निकालेंगे हम साथ
चाहे कुछ भी हो जाए
नहीं छोड़ेंगे हम एक - दूसरे का हाथ।
मैं और मेरी दोस्त अनहद, हैं लंबे अरसे से साथ
चाहे कुछ भी हो जाए
नहीं छोड़ेंगे हम एक - दूसरे का हाथ।

केशवी सिंह कंवर (७ अ)

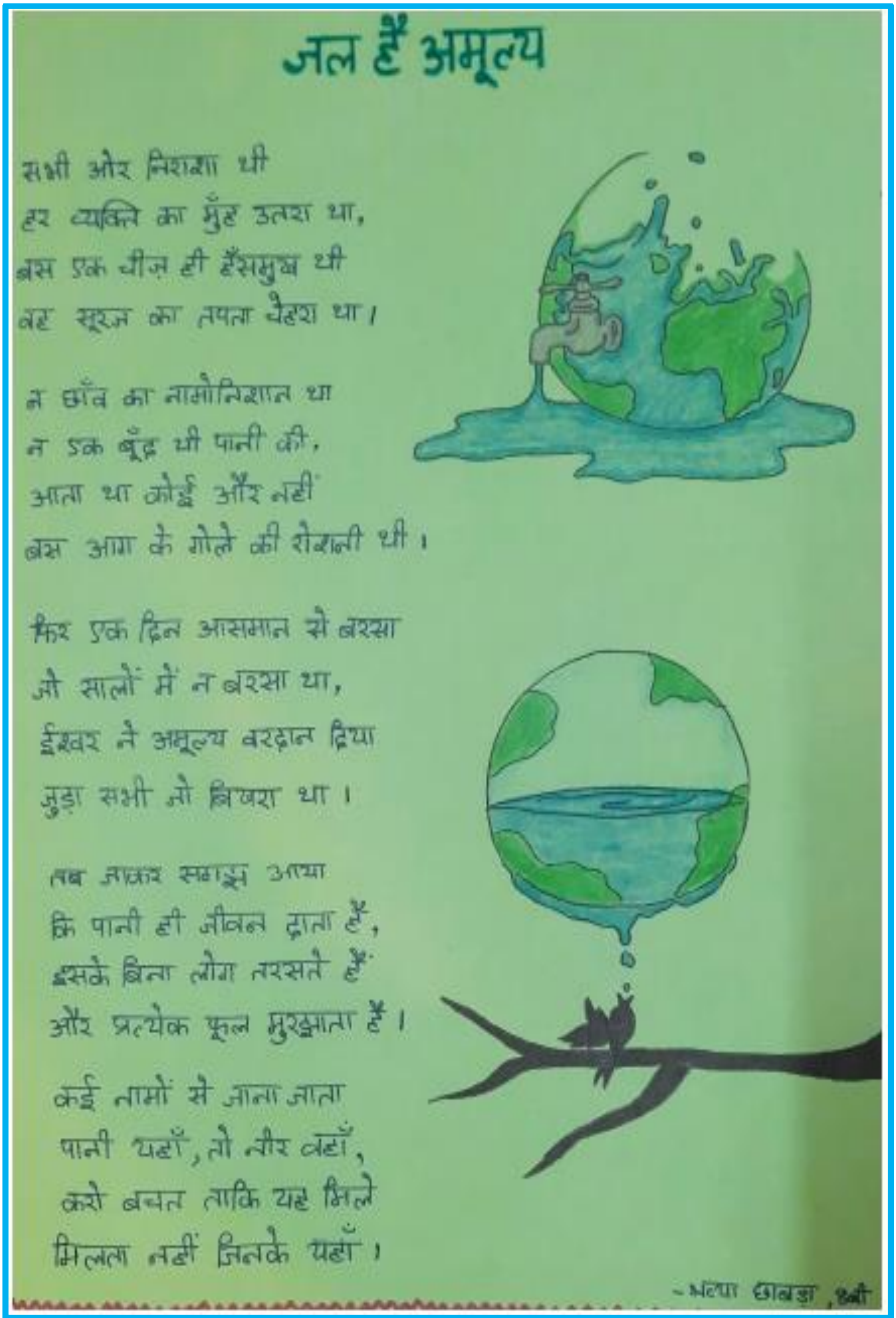

जल हैं अमूल्य

सभी ओर निराशा थी
हर व्यक्ति का मुँह उतरा था,
बस एक चीज़ ही हँसमुख थी
वह सूरज का तपता चेहरा था।

न छाँव का नामोनिशान था
न एक बूँद भी पानी की,
आता था कोई और नहीं
बस आग के गोले की रोशनी थी।

फिर एक दिन आसमान से बरसा
जो सालों में न बरसा था,
ईश्वर ने अमूल्य वरदान दिया
जुड़ा सभी जो बिखरा था।

तब जाकर समझ आया
कि पानी ही जीवन दाता हैं,
इसके बिना लोग तरसते हैं
और प्रत्येक फूल मुरझाता हैं।

कई नामों से जाना जाता
पानी यहाँ, तो नीर वहाँ,
करो बचत ताकि यह मिले
मिलता नहीं जिनके यहाँ।

LEARNING PATHS SCHOOL

STUDENT EXPRESS

हिन्दी दिवस

ISSUE #13
SEPTEMBER 2022

अंतर् विषयक गतिविधियाँ

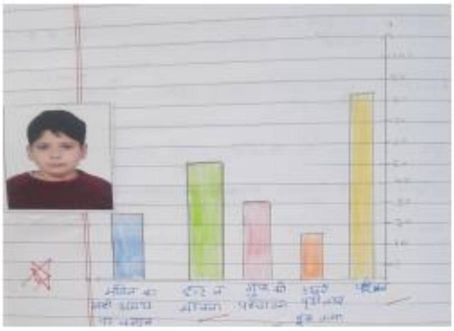

ईशान (आठवीं-ए)

गुनरीत कौर (आठवीं-बी)

राघव प्रशार (आठवीं-बी)

श्रव्या छाबड़ा (आठवीं-बी)

कीरत (आठवीं-बी)

प्रांजल (आठवीं-बी)

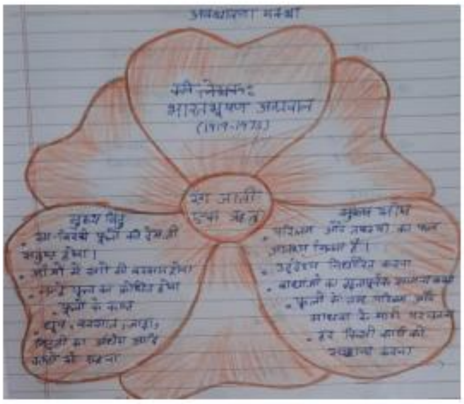

कीरत (आठवीं-बी)

गुनरीत (आठवीं-बी)

मिक्किशा (दसवीं-ए)

आर.मिनाक्षी (दसवीं-ए)

अनमोलप्रीत कौर (आठवीं-ए)

रज़ाप्रीत कौर (आठवीं-ए)

LEARNING PATHS SCHOOL
STUDENT EXPRESS
हिन्दी दिवस
ISSUE #13
SEPTEMBER 2022

सृजनात्मक कार्य

प्रिशा पांडेय (दसवीं-डी)

आन्या शर्मा (दसवीं-ए)

रुद्राक्ष राज ग्रोवर (दसवीं-ए)

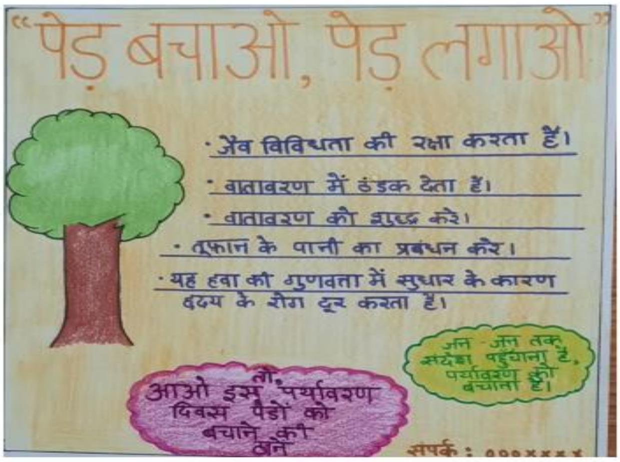

गुलमहकप्रीत (दसवीं-ए)

माही (नवीं-ए)

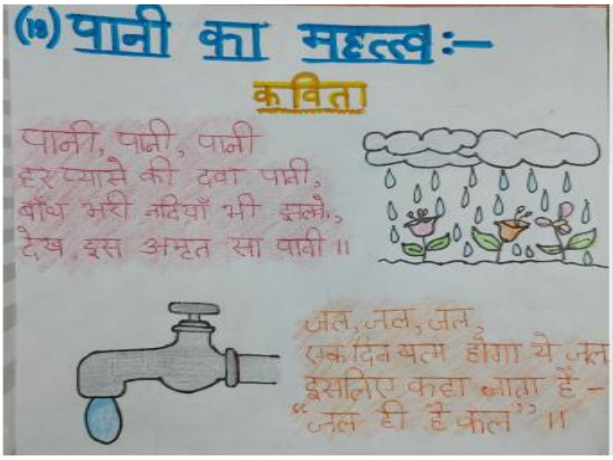

दर्श (सातवीं-डी)

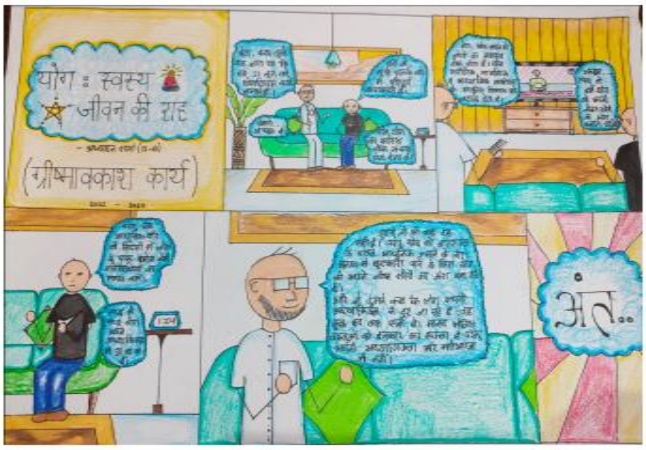

अध्ययन शर्मा (नवीं–बी)

प्रभाशीश सिंह (दसवीं –बी)

हिंदी दिवस गतिविधियाँ

सूक्ति लेखन

जिससे सुदृढ़ होता हमारा विश्वास, जिससे मिली भारत को पहचान

जिससे जुड़ी हमारी आशा है, वही हमारी हिंदी भाषा है।

सायशा (आठवीं-ए)

हिंदी हमारी मातृभाषा, हिंदी हमारी राजभाषा

चाहे जहाँ भी जाएँ हम, यही रहेगी हमारी पहचान भाषा।

किंजल (आठवीं-ए)

हिंदी की मिठास ही है उसकी परिभाषा

हम गर्व से कहें यह है हमारी मातृभाषा।

श्रव्या छाबड़ा (आठवीं-बी)

सोंधी सुगंध, मीठी-सी भाषा

शान से कहो, हिंदी है भारत के जन-जन की अभिलाषा।

कीरत (आठवीं-बी)

हिंदी हमारी भाषा इसे हमेशा आगे बढ़ाना है,

हमें हिंदी दिवस एक नहीं हर दिन मनाना है।

सान्वी (आठवीं-बी)

सारे विश्व में पहचान हमारी, हिंदी भाषा शान हमारी

हिंदी चली ग्लोबल होने, हिंदुस्तान का मान बढ़ाने।

देवना जोशी (आठवीं-बी)

पढ़ना है पढ़ाना है, सबको सिखाना है

हिंदी भाषा की आभा को बढ़ाना है।

सेजल जसवाल (नवीं-ए)

भारत माँ के माथे पर, सजी बिंदी है

हमारी राजभाषा हिंदी है।

काम्या शर्मा (नवीं-ए)

LEARNING PATHS SCHOOL
STUDENT EXPRESS
हिन्दी दिवस
ISSUE #13
SEPTEMBER 2022

हिंदी हमारी भाषा सबसे न्यारी,

इस पर गर्व करती है दुनिया सारी।

अवनी कालिया (नवीं-ए)

आओ मिलकर एक साथ मुहिम चलाएँ

आज से ही हिंदी ही भाषा को अपनाएँ।

पीहू कश्यप (दसवीं-ए)

हिंदी है देश की शान, कर्त्तव्य है हमारा करना इसका सदा सम्मान।

रिद्धिमा नंदा (दसवीं-ए)

जन-जन की भाषा है हिंदी, भारत की आशा है हिंदी

साराह (छठी-सी)

हिंदी हमारी ताकत है, यह हमारी विरासत है

एकता में जान है हिंदी देश की शान है हिंदी।

सिमर कौर (छठी-डी)

हिंदी हमारी शान है, हमारे भारत देश की पहचान है,

हमें अपनी भाषा पर मान है।

अवि शर्मा (सातवीं-डी)

चलो इस धरती को रहने योग्य बनाएँ,

सभी मिलकर हिंदी दिवस मनाएँ।

शैवी सैन (सातवीं-डी)

हिंदी भाषा है बहुत महान, यह है हमारे देश की शान

चलो इसका मान बढ़ाएँ, अपनी भाषा का त्योहार मनाएँ।

स्पर्श (सातवीं-ए)

हिंदी का सत्कार करो, यह राजभाषा है

हर कोई हिंदी गान गाए, ये हमारी अभिलाषा है।

पर्व गोयल (सातवीं-ए)

हिंदी है भाषा हमारी आओ इसे अपनाएँ, चलो सब मिलकर हिंदी दिवस मनाएँ।

जसकीरत सिंह (सातवीं-ए)

आवरण पृष्ठ गतिविधि

नेहमत (छठी-डी)

दर्श (सातवीं-डी)

गुरमन सिंह (छठी-सी)

जिया (सातवीं-सी)

केशव (छठी-सी)

मन्नतप्रीत कौर (सातवीं-सी)

2008 - 2023
Celebrating our past
Inspiring our future

LEARNING PATHS SCHOOL

STUDENT EXPRESS

हिन्दी दिवस

ISSUE #13
SEPTEMBER 2022

पीहू (दसवीं-ए)

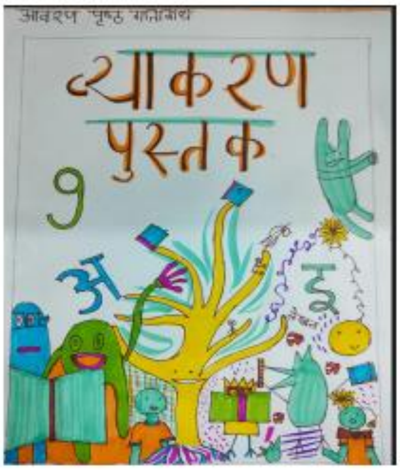

कनिष्का (नवीं-बी)

क्रियोशा मित्तल (नवीं-बी)

कृषिका (आठवीं-डी)

भव्या चोपड़ा (आठवीं-डी)

आक्षी अरोड़ा (नवीं-बी)

अनंत सिंह (सातवीं-सी)

समृद्धि शर्मा (दसवीं-डी)

गुलमहकप्रीत (दसवीं-ए)

LEARNING PATHS SCHOOL
STUDENT EXPRESS
हिन्दी दिवस

ISSUE #13
SEPTEMBER 2022

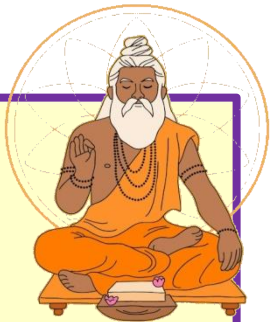

विश्वास (लघु कथा)

किसी गाँव के मंदिर में एक साधु रहता था। गाँव के लोग अकसर उसे दान में तरह-तरह की वस्तुएँ जैसे-वस्त्र, खाद्य-सामग्री और पैसे आदि दे देते थे। साधु ने उन वस्तुओं को बेचकर काफ़ी धन जमा कर लिया था। साधु को किसी पर विश्वास नहीं था। इसी कारण वह अपने धन को एक पोटली में रखता था और उस पोटली को सदा अपने पास रखता था। इसी तरह से दिन बीत रहे थे।

तभी एक दिन उस गाँव में एक ठग आया। उसे पता था कि उस गाँव के साधु के पास बहुत-सा धन है। उसकी नज़र साधु के धन पर थी। धन को हथियाने के लिए उसने एक शिष्य का वेश धारण किया तथा साधु के पास जाकर उसे अपना शिष्य बनाने की प्रार्थना की। साधु मान गया तथा वह साधु के पास ही रहने लगा। उसने मंदिर की साफ़-सफ़ाई आदि सभी कार्य कर, साधु का विश्वास पा लिया। एक दिन साधु के साथ वह पास के गाँव के मुखिया से मिलने जा रहे थे । रास्ते में साधु ने नदी में स्नान करने की इच्छा जताई। जब साधु नदी में स्नान कर रहे थे तब मौका पाकर ठग पोटली लेकर वहाँ से चंपत हो गया।

शिक्षा : सोच-समझकर विश्वास करें।

कननरीत कौर (कक्षा 11)

'मेला' (कविता)

बड़ा शोर था बड़ी थी बातें,

चला था मेला इक्कीस रातें।

आज-जाना है मेले, बच्चे - बूढ़े सब थे गाते।

थी लंबी - सी एक लगी कतार,

गोधूलि की बेला थी।

पचास रुपया टिकट थी सबकी,

चाहे लड़का, चाहे लड़की।

था एक छोटा बच्चा गोद में सोता,

एक था ज़ोर - ज़ोर से रोता।

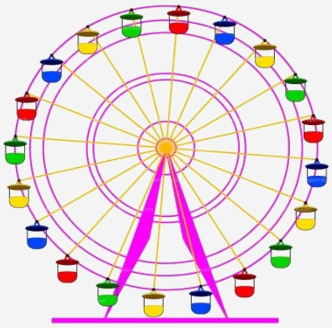

गुमे बच्चे को मंच से ले जाओ,

आवाज़ मेले में गूँज रही थी।

सूंघ के महक पकवानों की,

नज़रें सबकी घूम रही थीं।

पहले वह झूला या वो झूला,

सोच सबकी झूल रही थी।

कबीर नंदा (कक्षा -11 वीं)